Shri Ramakrishna Ashtakam

श्रीरामकृष्णाष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Ramakrishna Ashtakam

File name : rAmakRRiShNAShTakam1.itx

Category : deities_misc, gurudev, rAmakRiShNa, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Author : Swami Abhedananda

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramAlA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 12, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Ramakrishna Ashtakam

श्रीरामकृष्णाष्टकम्

श्रीमद्रामकृष्णपादाब्जसुधापानोन्मत्ता रसिका
भावुकाः पिबन्तु सर्वकल्याणकरं, तन्नामामृतं मुदा
विश्वस्य धाता पुरुषस्त्वमाद्यो-
ऽव्यक्तेन रूपेण ततं त्वयेदम् ।
हे रामकृष्ण, त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ १॥

त्वं पासि विश्वं सृजसि त्वमेव
त्वमादिदेवो विनिहंसि सर्वम् ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ २॥

मायां समाश्रित्य करोषि लीलां
भक्तान् समुद्धर्तुमनन्तमूर्तिः ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ३॥

विधृत्य रूपं नरवत्त्वया वै
विज्ञापितो धर्म इहातिगुह्यः ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ४॥

तपोऽथ ते त्यागमदृष्टपूर्वं
दृष्ट्वा नमस्यन्ति कथं न विज्ञाः ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ५॥

श्रुत्वात्र ते नाम भवन्ति भक्ताः
दृष्ट्वा वयं तन्नतु भक्तियुक्ताः ।

हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ६॥

सत्यं विभुं शान्तमनादिरूपं
प्रसादये त्वामजमन्तशून्यम् ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ७॥

जानामि तत्त्वं न हि देशिकेन्द्रं
किं वा स्वरूपं कथमेव भावम् ।
हे रामकृष्ण त्वयि भक्तिहीने
कृपाकटाक्षं कुरु देव नित्यम् ॥ ८॥

इति श्रीअभेदानन्दस्वामिनाविरचितं
“जगद्गुरुश्रीरामकृष्णाष्टकं” सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

Shri Ramakrishna Ashtakam
pdf was typeset on June 12, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*